an>

Title: Need to conduct an inquiry into the alleged hoarding and creation of artificial shortage of pulses leading to steep hike in the prices of pulses.

श्री विजय कुमार हांसदाक (राजमहल) ः मैं सरकार का ध्यान देश में दालों के दामों में हुई भारी बढ़ोत्तरी की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। गत वर्ष देश में भारी वर्षा एवं ओलावृष्टि के कारण दाल की फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा था।

फसल खराब होने के बाद सरकार ने विदेश से दाल मंगाने का ऑर्डर दिया। देश के पांच बड़े ब्रोकर्स ने आयात से आई दाल के पूरे जहाज खरीद लिए। फिर इन्हीं ब्रोकर्स की बनाई डमी कंपनियों को दाल बेच दी गई। इन डमी कंपनियों का एड्रेस देश के अलग-अलग राज्यों में बताया गया है और इन डमी कंपनियों ने लगभग 93,500 टन दाल को गोदामों में जमा कर लिया। यह भी पता चला है कि कई बार ब्रोकर्स और कमोडिटी संचालकों का अंतर्राष्ट्रीय रैकेट जहाजों को समुद्र में ही घुमाता रहता है ताकि वे देश में देर से पहुंचे जब बाजार में दाल की किल्लत होने पर कीमत 85 रूपये से 200 रूपये तक पहुंच गई तब दाम बढ़ते ही इन ब्रोकरों ने दाल भेजना शुरू कर दिया और खूब मुनाफा कमाया।

अतः मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि इस घटना की उचित जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का कष्ट करें ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।